2024-25 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 150 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

मसूर के समर्थन मूल्य में 425 रुपये प्रति क्विंटल कि वृद्धी

भारत सरकार ने 2024-25 रबी विपणन वर्ष (अप्रैल-मार्च) के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 150 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ौतरी की घोषणा की है। कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी ए सी पी) की सिफ़ारिशों के आधार पर, भारतीय मंत्रिमंडल ने गेहूं और पांच अन्य रबी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा मंगलवार (18 अक्तूबर, 2023) को की।

आगामी विपणन वर्ष के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,275 रुपये प्रति क्विंटल है जो कि 2023-24 में 2,125 रुपये प्रति क्विंटल था।

पिछले वर्ष से गेहूं का समर्थन मूल्य 7.05 प्रतिशत बढ़ाया गया है। जौ का समर्थन मूल्य 115 (करीब 6.62 प्रतिशत) रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है।

दालों और तिलहनों का समर्थन मूल्य सबसे अधिक बढ़ाने कि सिफ़ारिश की गई है। मसूर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 425 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 7.08 प्रतिशत), सरसों-तोरिया का समर्थन मूल्य 200 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 3.66 प्रतिशत) और चना का मूल्य 105 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 1.96 प्रतिशत) बढ़ाया गया है।

पिछले साल के मुकाबले, कुसुम के मूल्य में 150 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 2.65 प्रतिशत) की वृद्धी की गई है।

2024-25 मौसम में सरकारी खरीद के लिए रबी फ़सलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य

फ़सल	2024-25 (रुपए/ क्विंटल)	2023-24 (रुपए/ क्विंटल)	**बढ़ौतरी (रुपए/क्विंटल)**	**बढ़ौतरी प्रतिशत में**
गेहूं	2,275	2,125	150	7.05%
जौ	1,850	1,735	115	6.62%
चना	5,440	5,335	105	1.96%
मसूर	6,425	6,000	425	7.08%
तोरिया-सरसों	5,650	5,450	200	3.66%
कुसुम	5,800	5,650	150	2.65%